This question paper contains 4+2 printed pages]

2641-P

II Year Arts EXAMINATION, 2018

SANSKRIT

Paper I

(नाटक, छन्द एवं अलंकार)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : **20**]

*Answer all questions (**50** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

__सभी__ प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर __50__ शब्दों से अधिक न हो । __सभी__ प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : **50**]

*Answer five questions (**250** words each), selecting **one** question from each Unit.*

***All** questions carry equal marks.*

प्रत्येक इकाई से __एक__ प्रश्न चुनते हुए, कुल __पाँच__ प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर __250__ शब्दों से अधिक न हो । __सभी__ प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Part C (खण्ड 'स') [Marks : **30**]

*Answer any two questions (**300** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

कोई __दो__ प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर __300__ शब्दों से अधिक न हो । __सभी__ प्रश्नों के अंक समान हैं ।

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

इकाई I

(*i*) अभिज्ञानशाकुन्तल में कितने अंक हैं और प्रथम अंक का क्या नाम है ?

(*ii*) राजाओं के लिए शिकार के क्या-क्या लाभ हैं ?

इकाई II

(*iii*) किस ऋषि ने शकुन्तला को श्राप दिया ?

(*iv*) महर्षि कण्व के शिष्यों के क्या नाम थे ?

इकाई III

(*v*) 'अनिर्वर्णनीयं परकलत्रम्' कथन किसने किसको कहा ? और अर्थ समझाइये।

(*vi*) सानुमती किसकी सखी थी ?

इकाई IV

(*vii*) आर्या छन्द के तृतीय चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं ?

(*viii*) वंशस्थ छन्द के प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं ?

इकाई V

(*ix*) 'व्यतिरेक' अलंकार का लक्षण लिखिए।

(*x*) 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण लिखिए।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

असंशय क्षत्रपतिग्रहक्षमा, यदार्यमस्यामभिलाषि मे मनः।

सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु, प्रमाणमन्तः करणप्रवृत्तयः॥

अथवा

शमप्रधानेषु तपोधनेषु, गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।

स्पर्शानुकुला इव सूर्यकान्तास्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति॥

इकाई II

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

अर्थो हि कन्या परकीय एव, तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।

जातो ममायं विशदः प्रकामं, प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥

अथवा

शुश्रूषस्व गुरून् कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने,

भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।

भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,

यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः॥

इकाई III

4. सप्रसंग **संस्कृत** में व्याख्या कीजिये :

यो हनिष्यति वध्यं त्वां रक्ष्यं रक्षिष्यति द्विजम्।

हंसो हि क्षीरमादत्ते तन्मिश्रा वर्जयत्यपः॥

अथवा

दिष्ट्या शकुन्तला साध्वी सदपत्यमिदं भवान्।

श्रद्धा वित्तं विधिश्चेति त्रितयं तत् समागतम्॥

इकाई IV

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों के गणनिर्देशनपूर्वक लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

   (*i*) वसन्ततिलका

   (*ii*) शिखरिणी

   (*iii*) द्रुतविलम्बित

   (*iv*) उपजाति।

इकाई V

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

   (*i*) दीपक

   (*ii*) निदर्शना

   (*iii*) अर्थान्तरन्यास

   (*iv*) स्वभावोक्ति।

खण्ड 'स'

7. शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिए।

8. अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ अंक का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

9. नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से अभिज्ञानशाकुन्तल की समीक्षा कीजिए।

10. निम्नलिखित छन्दों के गणनिर्देशनपूर्वक लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :

    (*i*) मन्दाक्रांता

    (*ii*) शार्दुलविक्रीडितम्।

11. निम्नलिखित अलंकारों की लक्षण एवं उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए :

    (*i*) रूपक

    (*ii*) दृष्टान्त।